

महिला नर्सिंग छात्राओं से शारीरिक सुख की मांग करने वाले पर कार्रवाई

महिला नर्सिंग कॉलेज और हॉस्टल की : डॉ शशिकांत शंभरकर ने की जांच छात्रों के सुरक्षा के लिए उठाए बड़े कदम

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महिला शासकीय नर्सिंग कॉलेज में 26 दिसंबर को प्राचार्य किरण मुरकुट पर शिकायत दर्ज की थी कि उन्होंने छात्राओं से शारीरिक सुख की मांग की इस विषय को लेकर भंडारा जिले में सनसनी मच गई है छात्रों के परिजनों ने कॉलेज पहुंचकर जमकर हंगामा किया जिसके बाद प्राचार्य मुरकुट को पुलिस हिरासत में दे दिया गया.

इस घटना के बाद उपसंचालक आरोग्य विभाग नागपुर मंडल के शशिकांत शंभरकर और acs अतुल टेंभुर्णे ने के साथ नर्सिंग महिला कॉलेज और हॉस्टल की जांच की और छात्राओं से बातचीत की छात्राओं के सुरक्षा के लिए कुछ सुरक्षित कदम उठाए साथी महिला प्राचार्य और वार्डन हो इसकी मांग की प्राचार्य मुरकुट की सोशल मीडिया में ट्यूटर क्लीनिकल इंस्ट्रक्टर, एम्स रायपुर की नियुक्ति प्रमाण पत्र फर्जी है ऐसा



वायरल किया जा रहा है. इस विषय को लेकर डीडी डॉ शशिकांत शंभरकर ने संपूर्ण कागज पत्रों की जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की जाएगी येसा कहा ऐसी घटना दोबारा ना हो इसको ध्यान में रखते हुए सुरक्षा संबंधित सभी उचित कार्रवाई करने की मांग की गई है.

रायपुर एम्स द्वारा फर्जी प्रमाण पत्र वायरल

शहर के महिला नर्सिंग कॉलेज की छात्राओं से शारीरिक सुख की मांग की घटना को लेकर प्राचार्य किरण मुरकुट को पद से निलंबित किया गया और भंडारा पुलिस थाने में धारा 75 78 (2) के तहत मामला दर्ज किया गया साथ ही सोशल मीडिया पर बड़े पैमाने पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर छत्तीसगढ़ की ओर से 18 नवंबर 2019 को एक प्रमाण पत्र किरण मुरकुटे को दिया गया कि ट्यूटर क्लीनिकल कंसल्टेशन एम्स रायपुर नियुक्त संबंधी प्रमाण पत्र फर्जी है ऐसा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर इन्होंने कहा जिसके बाद इस प्रमाण पत्र को लेकर यह चर्चा का विषय बना है कि यह प्रमाण पत्र फर्जी है तो प्राचार्य मुरकुट को कैसे ट्यूटर पर नियुक्त किया गया ऐसे व्यक्ति पर शासकीय तोर पर उच्च स्तरीय करवाई की मांग की जा रही है.

पूर्व सांसद मेंटे ने लिया निर्माणधीन बायपास मार्ग का जायजा



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

श्री लेन निर्माणकार्य पूरा हो गया है। आनेवाले जनवरी 2025 के अंत तक इस मार्ग से यातायात शुरू होने का विश्वास भेंट के पश्चात पूर्व सांसद सुनील मेंटे ने व्यक्त किया। विगत कुछ महीने से भंडारा शहर के बाहर से जानेवाले राष्ट्रीय महामार्ग का निर्माणकार्य शुरू है। दूसरी ओर शहर में यातायात की समस्या होने के कारण नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए पूर्व सांसद सुनील मेंटे ने सोमवार 30 दिसंबर को राष्ट्रीय महामार्ग के काम के जगह प्रत्यक्ष भेंट दी और जायजा ।

नए वर्ष के जश्न में डूबने तैयार नगरवासी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : वर्ष 2025 शुरू होने में अब मात्र कुछ ही घंटे बचे हुए हैं. समय की घड़ी ज्यों-ज्यों करीब आ रही है त्यों त्यों युवा मन का उमंग भी काफी मचलने लगा है. 2024 को बाय-बाय करने और 2025 का स्वागत करने के लिए तहसील तथा जिले में शॉपिंग मॉल्स, होटलों, रेस्टॉरेंट, क्लबों व बैंक्विट हॉल्स में भी खास तैयारियां की जा रही हैं. यहां लाइट और म्यूजिक के तड़के से 31 दिसंबर की शाम सजेगी.



बॉलीवुड, टीवी एक्ट्रेस को भी खास तोर पर बुलाया है जो यहां पर डांस, फायर डांस, टूप डांस और फैशन शो से महफिल को रंगीन करेंगे. नाच-गाने और म्यूजिक कार्यक्रम के साथ- साथ अनलिमिटेड मॉकटेल, स्टार्टर, वेज एंड नॉनवेज खाने की व्यवस्था की जा रही है. वहीं बोन फायर के बीच पूल साइट डिनर का इंतजाम किया जा रहा है. कार्यक्रम के लिए अलग अलग थीम्स बनाई जा रही है. कपल डांस के साथ ड्रेस कोड भी रखा जा रहा है. कुछ होटलों में लाइट म्यूजिक के बीच रेड एंड वाइट थीम रखी जा रही है तो वहीं कपल के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाए गए हैं. वेज और नॉनवेज की कई वैरायटी होगी. खाने में ब्रोकोली और प्रोटीन की मात्रा अधिक होगी. वहीं कई रेस्टॉरेंट में विशेष तैयारियां की जा रही हैं, जिसमें परंपरागत तरीके से अलग हटकर सजावट की जा रही है. सेल्टी प्वाइंट के साथ थीम बेकड माहौल में मल्टी क्यूजिन बूफे की व्यवस्था रहेगी. सुरक्षा, सुविधा के साथ म्यूजिक आदि की संपूर्ण व्यवस्था की गई है.

दिये जा रहे हैं ऑफर्स भी युवाओं को आकर्षित करने के लिए रेस्टॉरेंट व होटल्स द्वारा विशेष ऑफर्स भी लाये जा रहे हैं. इसके साथ ही सेलिब्रिटी का भी विशेष आकर्षण रहेगा.

आखिर कौन बनेगा पालकमंत्री

कार्यकर्ता चाहते हैं उनका ही बने पालकमंत्री

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिले को अब नए पालकमंत्री का बेसब्री के साथ इंतजार करना पड़ रहा है. कौन नया पालकमंत्री होगा और किस दल का होगा. इस बात पर पर पूरे जिले में हर राजनीतिक दल के कार्यकर्ताओं के बीच चर्चा का दौर जारी है. भले ही अब जिले के लोगों ने मान लिया है कि जो भी नया पालकमंत्री होगा, वह केवल झंडा मंत्री बनकर ही रह जाएगा. वह केवल जिला नियोजन की सभा के अलावा 26 जनवरी, 1 मई और 15 अगस्त को तिरंगा फहराने के लिए ही आएगा. इसके बाद भी इस बात की उत्सुकता कार्यकर्ताओं के बीच है कि वह किस दल का होगा. यह बात इसलिए कि जिस दल का पालकमंत्री होगा, वह उस दल के कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता देता आया है. उस दल के कार्यकर्ताओं के काम अधिक करता आया है. अब तक यही होता रहा है और आगे भी ऐसा ही होता रहेगा, यह कार्यकर्ता मानते हैं.



जिले का पालकमंत्री कौन ?..... क्योंकि पालकमंत्री को कार्यकर्ताओं को खुश करने के अलावा अपने दल को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी भी निभानी होती है. इसलिए अब यह कहा जाए तो हर्ज नहीं है कि कार्यकर्ता भी चाहते हैं कि उसके अपने दल का पालकमंत्री बनना चाहिए. पालकमंत्री के लिए भाजपा और शिवसेना के बीच ही चर्चा जारी है. एक ओर चंद्रशेखर बावनकुले और दूसरी ओर आशिष जायसवाल को भंडारा जिले का पालकमंत्री बनाए जाने की चर्चा जोर पकड़ चुकी है. बावनकुले पहले ही जिले के पालकमंत्री पद संभाल चुके हैं. इसलिए वे यहां की राजनीति से लेकर यहां की अपेक्षाओं से भलिभाति

राय शामिल नहीं है उपरी राजनीति भी संभव पालकमंत्री बनाए जाने को लेकर उपरी तौर पर राजनीति भी होने की संभावना है. सर्वविदित है कि मंत्री पद की चाह रखने वाले भंडारा के विधायक नरेंद्र भोंडेकर पहले ही अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं. इसलिए अभी शायद उनको साधने की कवायद की जाए. संभव है शिवसेना के कोटे से मंत्री बने आशिष जायसवाल को इस जिले का पालकमंत्री बना दिया जाए. भविष्य में भोंडेकर को कोई और पद देकर उनकी नाराजगी भी दूर की जा सकती है और यह भी संभव है कि उनकी मर्जी जानकर भी पालकमंत्री तय किया जाए. इतना निश्चित है कि उपरी तौर पर लाभ- हानि का गणित जोड़कर पालकमंत्री पद तय करने का निर्णय भी लिया जा सकता है. अब लाभ-हानि भाजपा के लिए देखी जाती है या शिवसेना के लिए यह तो आगामी पालकमंत्री कौन बनता है इसे देखकर ही अंदाजा लगाया जा सकता है.

महाराष्ट्र की रेती रॉयल्टी लगा कर कमाई मध्य प्रदेश महसूल की !

महाराष्ट्र की बॉर्डर से रोजाना JCB, ट्रैक्टर से हजारों ब्रास की रेती चोरी आखिर क्यों है महाराष्ट्र के संबंधित अधिकारी मौन? महाराष्ट्र की रेती चोरी में कौन कौन अधिकारी है शामिल ? चारों ओर कार्रवाई होने के बावजूद भी खुलेआम दिन दहाड़े महाराष्ट्र की रेती हो रही है चोरी !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : महाराष्ट्र के भंडारा जिला तुमसर तहसील अंतर्गत आने वाले सिहोरा गांव के करीब वैनगंगा नदी से सटे वर पिंडके वर गांव से जो महाराष्ट्र की बॉर्डर है जिसमें रोजाना 100 से अधिक ट्रैक्टर लगा कर महाराष्ट्र की रेती स्र बॉर्डर में चुराकर ली जा रही है जिससे भंडारा महसूल विभाग का लाखों करोड़ों का नुकसान हो रहा है आपको बता दे कि तुमसर तहसील अंतर्गत आने वाली वैनगंगा नदी महाराष्ट्र और mp की बॉर्डर से लगी है जिस कारण आधी नदी महाराष्ट्र के दायरे में आती और आधी mp के दायरे में आती है.



कार्रवाई होने से नई तकनीक द्वारा महाराष्ट्र की रेती चोर कर ली जाकर लाखों करोड़ों रुपए का महाराष्ट्र को चुना लगाया जा रहा है यह जानकारी महसूल और खनिज विभाग के

अधिकारियों को होने के बावजूद भी दिन दहाड़े महाराष्ट्र बॉर्डर से रेती चोरी की जा रही है. ऐसी चर्चा है कि रेती माफियाओं के साथ संबंधित अधिकारी व कर्मचारी के साथ मिल कर यह रेती चोरी का प्रकरण कर रहे हैं जिस कारण न पुलिस ना महसूल न खनिज विभाग इसलिए इन चोरों पर अकुंश नहीं लगा पा रहे हैं इस चोरी से महाराष्ट्र का लाखों करोड़ों का महसूल डूब रहा है और mp का महसूल बढ़ रहा है यह बड़ा खुलासा बस क्राइम इंडिया न्यूज खबरों के माध्यम से कर रही है ताकि जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, खनिज अधिकारी व महसूल अधिकारी इसपर कार्रवाई करे और अब तक जितना रेती ब्रास चुराया गया है उसकी भरपाई करे bsci हमेशा खारों के माध्यम से जाकरूकत करता है.

अज्ञात ट्रक ने कार को मारी जोरदार टक्कर



दंपति घायल, वैनगंगा पुल पर दर्दनाक हादसा

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी उनकी पत्नी कार क्र. 22 ऋ5771 से नागपुर से भिलाई जा रहे थे. इसी दौरान, सुबह के समय वैनगंगा पुल पर अज्ञात ट्रक ने उनकी कार को जबरदस्त टक्कर मारी और चालक ट्रक सहित मौके से फरार हो गया. इस दुर्घटना में पति-पत्नी को सिर में गंभीर चोटें लगी. पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और नरेंद्राचार्य संस्थान की एम्बुलेंस को बुलाया. चालक प्रमोद मोहतुरे ने भीमदेव मारबदे और संजय शेंडे की मदद से घायलों को घटनास्थल से जिला सामान्य अस्पताल में उपचार के लिए लाया गया. इस मामले में कारधा पुलिस ने मामला दर्ज कि है और आगे की जांच शुरू कर दी है. मोहनलाल टेकाम और

संपादकीय

सहकारातूनच साधेल सर्वसमावेशक विकास



केंद्रीय सहकार मंत्रालयाद्वारे देशातील १० हजार बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषी सहकारी सोसायट्या, डेअरी आणि मत्स्यपालन सहकारी सोसायट्यांचे लोकार्पण सहकारमंत्री अमित शहा यांनी नुकतेच केले. या वेळी आगामी पाच वर्षांत दोन लाख नव्या बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषी सहकारी सोसायट्यांच्या निमाणांमुळे शेती आणि सहकार क्षेत्रात समृद्धी येईल, असा विश्वास त्यांनी व्यक्त केला. पुढील दशक हे सहकाराचे असेल, असा उल्लेख अमित शहा वारंवार करीत असतात. वर्षभरापूर्वी गाव पातळीवरील विविध कार्यकारी सहकारी सोसायट्यांमधून कृषी निविद्यांची विक्री करण्यास मान्यता देण्यात आल्यानंतर आता त्यांना ३२ नव्या सेवांना जोडण्यात आले आहे. या सोसायट्यांच्या माध्यमातून शेतीसाठी लागणाऱ्या सर्व सेवासुविधा देण्यापासून गावातूनच विमानाचे तिकीट बुकिंग झाले पाहिजे, अशी अपेक्षा शहा यांनी व्यक्त केली आहे. विविध कार्यकारी सोसायट्यांना बहुउद्देशीय करण्यासाठी ३०० योजनांची कामे त्यांना दिली जाणार आहेत. त्यांच्या संगणकीकरणे कामही देशभर जोरात सुरू आहे. तीन वर्षांत कामाचा अहवाल न देणाऱ्या विविध कार्यकारी सहकारी सोसायट्या अवसानात निघणार आहेत.

या सर्व बदलांचे स्वागतच आहे, परंतु हे करीत असताना त्याची प्रक्रिया ही सर्वसमावेशक लोकशाही पद्धतीने झाली पाहिजे, त्यात राजकारण होणार नाही, याची काळजी घ्यायला हवी. देशाला स्वातंत्र्य मिळाले तेव्हा केवळ सरकारच्या भरवशावर विकास शक्य नव्हता. खासगी उद्योग आपापल्या परीने वाटचाल करीत होते. परंतु त्यात सर्वसामान्य नागरिकांचा थेट समावेश दिसत नव्हता. त्यामुळे देशाच्या सर्वसमावेशक विकासासाठी आपण सहकार हा मधला मार्ग निवडला आणि तो रुजलाही. महाराष्ट्रात तर सहकार चांगलाच

फुललाही ! १९८० नंतर सहकारात स्वहित जपण्यास सुरुवात झाली. त्यातून सहकारात गैरप्रकारही बोकळले. सहकारातून राजकारण आणि राजकारणातून पुन्हा सहकार या वृत्तीने राज्यातही सहकाराचा हास झालेला पाहावयास मिळतो. खुल्या अर्थव्यवस्थेच्या रेट्यात कोणताही निर्णय घेण्यात आणि त्याच्या अंमलबजावणी प्रक्रियेतील विलंबाने सहकार क्षेत्राला पिछाडीवर ढकलण्याचे काम केले. त्यातूनच अनेक सहकारी संस्था बंद पडत आहेत, तर काहींचे खासगीकरण सुरू आहे. महत्त्वाचे म्हणजे या खासगीकरणाचा लाभ काही ठरावीक उद्योजक घराण्यांना होतो. सहकार हा आपल्या देशात तर कोणत्याही परिस्थितीमध्ये विकासाचा मधला मार्ग राहिला आहे.

सरकारी ध्येयधोरणे, व्यावसायिकता, निर्णय प्रक्रियेचा अभाव अशा काही कारणांनी मागील काही वर्षांपासून सहकार क्षेत्राला मरगळ आलेली आहे. सहकाराला सक्षम बनविण्यासाठीचे प्रयत्न निश्चितच झाले पाहिजे. परंतु त्याच वेळी सार्वजनिक क्षेत्राचे खासगीकरण थांबवून देशात उद्योग-व्यवसायाचा विकेंद्रित विकास साधला गेला पाहिजे. प्राथमिक कृषी सेवा सहकारी सोसायट्या हा सहकाराचा आत्मा मानल्या जातात.

अशावेळी त्यांची संख्या वाढ- विणे, संगणकीकरणाच्या माध्यमातून त्यांना अद्ययावत करणे, अनेक सेवासुविधा, योजना त्यांना जोडणे या कामांची गती वाढवावी लागणार आहे. सहकार क्षेत्रातील या सुधारणा पक्ष निरपेक्ष भावनेतून आणि अधिक गतीने व्हायला हव्या. केंद्र सरकार पातळीवर बरचेचर सहकाराबाबत घेतले गेलेले नवे निर्णय, नव्या सुधारणा यांची सर्वच राज्यांनी गाव पातळीवर प्रभावी अंमलबजावणी करायला हवी. कारण सहकार हा शेवटी राज्याचा विषय आहे. असे झाले तरच सहकाराच्या माध्यमातून देशाचा सर्वांगीण विकास साधला जाईल.

कामाचा ताण सोसवेना; आरोग्य विभागात ४५६ पदे रिक्त

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिल्ह्याच्या आरोग्य विभागाला डॉक्टर व कर्मचाऱ्यांच्या रिक्त पदांचे ग्रहण लागले आहे. जिल्ह्यातील आरोग्य विभागात डॉक्टर व कर्मचाऱ्यांची एकूण १०५४ पदे मंजूर आहेत. त्यापैकी ५९८ पदे भरलेली असून, ४५६ पदे रिक्त आहेत. परिणामी, रुग्णसेवेवर विपरीत परिणाम जाणवत आहे. शासन व प्रशासनाने तातडीने दखल घेत पदभरती करण्याची आवश्यकता आहे.

भंडारा जिल्ह्यात ७ ग्रामीण रुग्णालये, ३३ प्राथमिक आरोग्य केंद्रे, १९३ उपकेंद्रे, २९ आयुर्वेदिक दवाखाने, ४ आंगल दवाखाने व तालुकास्तरावर ७ तालुका आरोग्य अधिकारी कार्यालये आहेत. दरम्यान, जिल्हा परिषदेच्या आरोग्य विभागात वैद्यकीय अधिकाऱ्यांसह आरोग्य कर्मचारी, तंत्रज्ञ, शिपाई आदींची पदे रिक्त आहेत. कर्मचाऱ्यांच्या कमतरतेमुळे आरोग्यसेवा प्रभावित होत आहे. विविध प्रकारचे लसीकरण, आजारांची नोंद व औषधोपचार, रोगप्रतिबंधक कामे, आरोग्यविषयक जनजागृती, आरोग्य



शिक्षण, गर्भवती स्त्रिया व विद्यार्थ्यांची तपासणी, सरकारच्या विविध योजना तळागाळात पोहोचवणे आदी कामे रिक्त पदांमुळे प्रभावित होत आहेत. जिल्हा परिषदेचे प्राथमिक आरोग्य केंद्र, उपकेंद्राच्या माध्यमातून गावस्तारावर ग्रामीण भागातील लाखो नागरिकांना आरोग्यसेवा पुरविली जाते. आरोग्य कर्मचाऱ्यांना नियमित बीसीजी, गोवर, हिपेटायटिस बी, पोलिओ, डांग्या खोकला, घटसर्प, जीवनसत्त्व अ, जंतनाशक मोहीम, राष्ट्रीय कार्यक्रम, कुटुंब कल्याण, शालेय आरोग्य तपासणी, अंगणवाडी,

गर्भवती माता क्षयरोग, कुष्ठरोगांची नियमित तपासणी, असंसर्ग आजारांच्या तपासण्या, कुटुंब नियोजन शस्त्रक्रिया आदी कामांचे नियोजन नेहमी सुरू असते. यामुळे कर्मचाऱ्यांवर कामाचा ताण वाढत आहे.

रिक्त पदांचा बॅकलॉग भरणाऱ्या केंद्रा ?

भंडारा जिल्ह्यात अतिरिक्त जिल्हा आरोग्य अधिकारी, प्रशासकीय अधिकारी, सांख्यिकी अधिकारी, वैद्यकीय अधिकारी प्रथम श्रेणी आदींसह अनेक अधिकाऱ्यांची महत्त्वाची पदे रिक्त आहेत. यासह एकूण ४५६ पदे रिक्त

आहेत. काही महिन्यांपूर्वी अनेक जण निवृत्त झाल्याने रिक्त पदांचा बॅकलॉग वाढणार आहे.

हेल्थ वर्कर, परिचारिकांची २४७ पदे रिक्त

आरोग्य विभागात मल्टीपपंज हेल्थ वर्करची ८५, सहायक परिचारिकेची १६२, अशी तब्बल २४७ पदे रिक्त आहेत. या कर्मचाऱ्यांची क्षेत्रीय स्तरावर लसीकरण, शासनाच्या विविध योजनांचे प्रचार, प्रसार, तपासणी, लसीकरण यात त्यांची मोलाची भूमिका असते. मात्र, रिक्त पदांमुळे आरोग्यसेवेचे आरोग्य बिघडले आहे. शहरातील महागडे उपचाराचा भुदंड सहन होणारा नसल्याने नागरिकांना नाइलाजाने शासकीय रुग्णालयाचा आधार घ्यावा लागत आहे.

आरोग्य विभागात मोट्या प्रमाणात आरोग्यसेविका व शिपायांची पदे रिक्त आहेत. त्याचबरोबर वैद्यकीय अधिकारी पदेही रिक्त आहेत. यावर उपाय म्हणून कंत्राटी कर्मचारी व डॉक्टरांची सेवा पुरविली जात आहे.

- डॉ. मिलिंद सोमकुवर, जिल्हा आरोग्य अधिकारी, भंडारा.

पवनी पोलिसांकडून नॉयलॉन मांज्याविरोधात कारवाईला सुरुवात



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सावरला (पवनी) : तोंडावर मकर संक्रातीचा सण येत आहे. या पर्वांमध्ये मोट्या प्रमाणावर पतंगबाजी होते. लहानांपासून तर मोट्यांपर्यंत यात सहभागी होऊन शर्यती लावतात. यात मोट्या प्रमाणावर नॉयलॉन मांजाचा वापर होतो. यामुळे अनेकांचे जीव गेले असून अनेकांना दुखापतही झाली आहे. त्यावर बंदी असूनही विक्री आणि खरेदी मोट्या प्रमाणावर होत असल्याने पवनी पोलिसांनी या विरोधात कारवाई सुरू केली आहे.

पोलिस उपनिरीक्षक निखिल रहाटे, तिजारे, नायक किशोर बुरडे, शिपाई अनिल घट्ट, हवालदार राजू पारधी यांचे पथक तयार करण्यात आले आहे. पवनी शहर, आसगाव, भुयार, कऱ्हाळगाव, खापरी येथील पतंग विकणाऱ्या दुकानांमध्ये पतंग व नायलॉन मांज्याची तपासणी केली जाणार आहे. नायलान मांज्याची विक्री करू नये याबाबत पोलिस विभागाने नागरिकांना आणि दुकानदारांना माहिती दिली आहे. तरीही नियमभंग करून विक्री करणाऱ्यांविरोधात गुन्हे नोंदविले जातील, असा इशाराही देण्यात आला आहे.

बसच्या रॅकमधून चोरले लॅपटॉप

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : एसटीतून गावाकडे जाण्यासाठी निघालेल्या एका ३० वर्षीय तरुणाचे लॅपटॉप ठेवलेली बॅग अज्ञात चोरट्याने एसटी बसच्या रॅकमधून चोरून नेली. ही घटना भंडारा बसस्थानकात उघडकीला आली. विवेक जगन्नाथ मुनीश्वर रा. नागपूर असे लॅपटॉप चोरी गेलेल्या तरुणाचे नाव आहे.

भंडारा : एसटीतून गावाकडे जाण्यासाठी निघालेल्या एका ३० वर्षीय तरुणाचे लॅपटॉप ठेवलेली बॅग अज्ञात चोरट्याने एसटी बसच्या रॅकमधून चोरून नेली. ही घटना भंडारा बसस्थानकात उघडकीला आली. विवेक जगन्नाथ मुनीश्वर रा. नागपूर असे लॅपटॉप चोरी गेलेल्या तरुणाचे नाव आहे.

शाळा इमारतीचे निकृष्ट काम, भिंतींना तडे, विद्यार्थ्यांचा जीव धोक्यात

तर जबाबदार कोण? : संपूर्ण इमारतीलाच ओल !

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

साकोली : येथील जिल्हा परिषद शाळेसाठी सन २०२२ मध्ये लाखो रुपये खर्चून नवीन शाळा इमारत बांधली. मात्र या इमारतीमधील प्रत्येक वर्गात ओलावा असून भिंतींना तडे गेले आहेत. हा संतापजनक प्रकार येथे शालेय क्रीडा सत्राच्या समारोपप्रसंगी लक्षात आला.



निकृष्ट कामामुळे या इमारतीमध्ये शिकणारी मुले खरेच सुरक्षित आहेत का, असा संतप सवाल पालक व जनतेने केला असून या बांधकामाची चौकशी करण्याची मागणी केली आहे. साकोली शहरातील जिल्हा परिषद हायस्कूलची सन २०२२ मध्ये प्रशस्त इमारत तयार झाली. सदर बांधकाम जिल्हा परिषदेच्या वतीने करण्यात आले. या कामात निकृष्ट दजाचे साहित्य वापरून बांधकाम करण्यात आले. परिणामी अवघ्या दोन वर्षांतच इमारत भेगाळली. येथील वर्ग

६ वा अ, ब, वर्ग ७ वा अ, ब खोलीत संपूर्ण भिंतींना वरून तडे जात आहेत. असा कोणताच वर्ग शिल्लक नाही की तेथे ओलावा व भेगा पडल्या नाहीत, मुख्य दरवाजावरूनही भिंतीला तडे गेले आहेत. पावसाळ्यात शाळेत नवीन सत्र सुरू होते. येथे अनेक लहान विद्यार्थी बसतात. भविष्यात दुर्घटना घडल्यास कोण जबाबदार, असा पालकांचा प्रश्न आहे.

कमिशनखोरीतूनच निकृष्ट बांधकाम ठेकेदारांनी कमिशन जास्त लाटण्यासाठी आणि वैयक्तिक स्वार्थ साधण्यासाठी विद्यार्थ्यांच्या जीवाशी हा खेळ मांडला आहे. या सदर इमारतीची संपूर्ण चौकशी करण्याची मागणी पालकांनी केली असून लवकरात लवकर या इमारतीत जेथे जेथे निकृष्ट दजाचे कामाने तडे गेलेले आहेत ते पूर्णपणे व्यवस्थित आणि मजबूत बांधकाम करा, अशी मागणी आहे. गटशिक्षणाधिकारी विजय आदमने यांनी या प्रकरणाच्या चौकशीसाठी पुढाकार घ्यावा आणि वरिष्ठांनी कारवाई करावी, अशी मागणी पालकांनी केली आहे.

विषारी खाद्य खाल्ल्याने सहा शेळ्यांचा मृत्यू

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : तालुक्यातील खापा येथील शेतशिवारात विषारी खाद्य-पाणी खाल्ल्याने सहा शेळ्यांचा मृत्यू झाल्याची घटना घडली. सदर मृत शेळ्या खापा येथील पशुपालक राजू हलमारे व वृत्तपत्र वितरक मनोरंजन हाडगे यांच्या मालकीच्या असल्याची माहिती आहे. घटनेच्या दिवशी राजू हलमारे व मनोरंजन हाडगे यांच्या कुटुंबातील सदस्यांनी खापा-मांगली शेतशिवारात नेहमीप्रमाणे शेळ्या चारायला नेल्या असता. सदर शेळ्यांनी

शेतशिवारात काहीतरी विषयुक्त खाद्य-पाणी खाल्याने सदर बकऱ्यां बेशुध्द पडल्या होत्या. दरम्यान पशुपालक राजू हलमारे याची पत्नी व मनोरंजन हाडगे याची पत्नी यांनी शेळ्या जवळ जाऊन बघितले असता सदर सहा ही शेळ्या मृत्युमुखी पडल्या होत्या. सदर घटनेची माहिती गावात व येथील पशुवैद्यकीय अधिकाऱ्यांना देण्यात आली. दरम्यान घटनास्थळी पशुवैद्यकीय अधिकारी दाखल होत शेळ्यांची तपासणी करताच सदर बकऱ्या मृत पावल्याचे सांगितले.

इमानदारी संपली ! जिल्ह्यात सर्वात जास्त लाचखोरी 'महसूल' विभागात

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : सरकारी पगार असतानाही लोकसेवक सामान्य लोकांकडून लाच स्वरूपात पैसे घेतात. याच्या तक्रारी प्राप्त होताच लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाकडून सापळा रचून कारवाया केल्या जातात. जानेवारी ते नोव्हेंबर अखेरपर्यंत जिल्ह्यात ८ कारवाया करण्यात आल्या आहेत. यात लाच घेण्यात महसूल विभाग पहिल्या स्थानावर असून, भूमी अभिलेखचा दुसरा क्रमांक लागतो. इमानदारी संपली का? सरकारी पगार पुरेना, अशीच परिस्थिती जिल्ह्यात आहे.



लाच देणे आणि घेणे कायद्याने गुन्हा आहे. असे असले तरी काही अधिकारी, कर्मचारी सामान्यांची नियमात असणारी कामे अडवतात. त्यांच्याकडून अगदी ३०० रुपयांपासून ते हजारो रुपयांपर्यंत लाचेची मागणी करतात; परंतु काही सुजाण नागरिक या लाचखोर लोकसेवकांची 'एसीबी'कडे तक्रार करतात. येथील पथक सर्व शहानिशा करते. त्यानंतर मग पडताळणी करून सापळा लावतात आणि लाच घेताच त्याला पकडतात. २०२४ या चालू वर्षात 'एसीबी'ने ८ कारवाया

करणार ?

अधिकारी व कर्मचारी आर्थिक हव्यासापोटी पैशांची मागणी करतात. अशांवर अंकुश लावण्यासाठी लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग कार्यरत आहे. कुणी काम करून देण्यासाठी पैशांची मागणी केल्यास विभागाच्या कार्यालयात जाऊन किंवा टोलफ्री क्रमांकावर कॉल करता येतो. काही शासकीय विभागात तर लाखापेक्षा अधिक पगार आहे. तरीही लाच घेण्याची हाव सुटत नसल्याचे चित्र लाचलुचपत विभागाच्या कारवायांवरून स्पष्ट होते. महसूल विभागात सर्वाधिक लाचखोर !

येथील लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाने गेल्या ११ महिन्यांत केलेल्या कारवाईत सर्वाधिक महसूल तसेच भूमी अभिलेख विभागातील तब्बल ८ लाचखोर जाळ्यात अडकले आहेत.

लाचेचा मोह अधिक

'अधिकारी व कर्मचाऱ्यांना' मागील ११ महिन्यांत जिल्ह्यात लाचलुचपत प्रतिबंधक विभागाने केलेल्या कारवाईत बहुतांश क्लास टू व श्री चे अधिकारी सापडले आहेत. यावरून त्यांना लाच घेण्याचा मोह आवरत नसल्याचे दिसून येत आहे. हा मोह सर्वच शासकीय विभागातील अधिकाऱ्यांमध्ये दिसतो. कोणत्याही कामासाठी शासकीय अधिकारी वा कर्मचाऱ्यांना लाच देणे किंवा घेणे कायद्याने गुन्हा आहे. त्यामुळे कुणीही बेकायदेशीरीरूपी पैशांची मागणी करत असल्यास लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग, सिव्हिल लाइन्स, नागपूर रोड भंडारा येथे तक्रार करावी. तसेच ९८७०३७६७०६, ९८२३२४०१२९ वर संपर्क करावा.

- डॉ. अरुणकुमार लोहार, पोलिस उपअधीक्षक, लाचलुचपत प्रतिबंधक विभाग

गावाला तालुक्याचा दर्जा द्या !

सानगडीवासीय जनतेची २० वर्षांपासून मागणी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

सानगडी : साकोली तालुक्यातील सानगडी या ऐतिहासिक गावाला तहसीलचा दर्जा द्यावा आणि येथे तहसील कार्यालय उभारावे, ही मागणी अनेक वर्षांपासून होत आहे. अद्याप प्रशासनाने या मागणीची दखल घेतली नाही. मात्र परिसरातील ग्रामस्थांची आणि सानगडीतील नागरिकांची आशा मात्र कायम आहे.

पूर्वी सानगडी गाव प्रगणे म्हणून अस्तित्वात होते. या गावची बाजारपेठ मोठी असून परिसरातील गावकरी बाजारहाट व खरेदीसाठी येथे येत असतात. लगतच्या गावांचा दैनंदिन संबंध सानगडीसोबत येत असतो. गावची लोकसंख्या मोठी असून गावाची रचनाही चांगली आहे. या गावाला वेगळा इतिहास असून येथे ४२ स्वातंत्र्यसंग्राम सैनिक होऊन गेले. गावालगतच ऐतिहासिक किल्ला आहे. या सहानगड किल्ल्याला नुकताच 'क' दर्जाचा पर्यटन स्थळचा दर्जा मिळाला असून येथे बहुसंख्येने पर्यटक भेटी देतात.



सानगडी किल्ल्यालगत तलाव असून मासेमारीकरिता प्रसिद्ध आहे. वनराईच्या कुशीत वासलेले १० हजार लोकसंख्या असलेले सानगडी अनेक महामार्गांने जोडलेले आहे येथूनच प्रतापगड, नावेगाव बांध, गोठणगाव या प्रेक्षणीय स्थळांना जाण्याचा मार्ग आहे. साकोली, लाखांदूर, अजुनी नावेगाव बांध, भुगाव पंढरपूर, गोंडउमरी रेल्वे आदी मार्गांवर

सानगडीवरून जावे लागते. परिसरात सानगडीचा आठवडी बाजार प्रसिद्ध आहे.

लगत चुलबंद नदी वाहत असून चार रेंतीघाट आहेत. कृषी उत्पन्न बाजार समिती, बाजार समिती उपआवार सानगडी येथे दररोज जनावरांचा बाजार भरतो. सानगडीच्या बाजूला साकोली, लाखनी, मोरगाव अजुनी, लाखांदूर हे चार तालुके १५ ते २० किलोमीटर अंतरावर आहेत. सानगडीचे नाव तहसील संध्या तालुका म्हणून नेहमीच घेतले जाते. नेतेमंडळीही यासाठी आश्वासन देत असतात. परिसरातील जनतेची ब-याच दिवसांपासून मागणी आहे.

२१ हनुमंतांची मंदिरे

सानगडी मोठे गाव असून चार ते पाच खुली मैदाने आहेत. पाच बँका, दोन हायस्कूल, एक वरिष्ठ महाविद्यालय, तीन कॉन्व्हेंट, प्राथमिक आरोग्य केंद्र, पतसंथा, दोन भात गिरणी, खासगी दवाखाने, दोन धान्य खरेदी केंद्र, २१ हनुमंतांची मंदिरे आहेत. ऐतिहासिक वारसा लाभला आहे.

बावनथडी प्रकल्पाच्या भूमिगत जलवाहिनी परिसरात लेआउटला मंजुरी !



आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

तुमसर : शेतकऱ्यांने बावनथडी प्रकल्पाच्या वितरिका बांधकामाला विरोध केला होता. त्यामुळे वरिष्ठ प्रकल्प अधिकार्यांनी शेतातून भूमिगत सिमेंट जलवाहिनी घालण्याच्या निर्णय घेतला. त्यानंतर त्या शेतीत भूखंडाचे लेआउट पाडण्यात आले. खाली भूमिगत सिमेंट जलवाहिनी, अन् वर भूखंडांना रीतसर परवानगी मिळाल्याची धक्कादायक माहिती पुढे आली आहे.

भविष्यात येथे भूमिगत जलवाहिनी फुटलीच, तर पुढच्या अन्यायचे काय, हा आता प्रश्न आहे. तुमसर तालुक्यात बावनथडी आंतरराज्य प्रकल्प आहे. शेती सिंचनाकरिता वितरिकांचे जाळे प्रकल्प अंतर्गत करण्यात आले. तुमसर, शिवनी बाव्हणी या गाव शिवारातील शेतीच्या सिंचनाकरिता तुमसर शहराजवळील वितरिका बांधकाम करण्यात अडचण निर्माण झाली होती. येथील एका शेतकऱ्याने शेतातून वितरिकाचे बांधकाम करण्यास मनाई केली होती. त्यामुळे काही महिने येथील वितरिकाचे बांधकाम थांबले होते. यामुळे बावनथडी प्रकल्प अधिकार्यांयत खळबळ माजली होती.

रस्ता दुभाजकातील कॅरी दुर्लक्षित

संगोपनच नाही : अनेक झाडे मृतावस्थेत, कुंड्याही गायब

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : शहर सुंदर व आकर्षक दिसावे, याकरिता भंडारा नगर परिषदेने मागील काही वर्षांपूर्वी नगर परिषद कार्यालयासमोरील गांधी चौक, अण्णाभाऊ साठे चौक, मुस्लिम लायब्ररी कॉलेज रोड, शास्त्री चौक वरठी रोड तसेच भंडारातील इतर रस्त्यावरसुद्धा रस्त्याच्या मधोमध कॅरी तयार केली. त्यात झाडे लावली. मात्र, सध्या या कॅरीकडे नगर परिषदेचे सर्रास दुर्लक्ष होत असून, या कॅरीतील बहुतांश झाडे मृतावस्थेत आली आहेत.



कॅरी निर्माण केल्या होत्या. परंतु, सध्या त्यांची दुरवस्था झाली आहे. याकडे पालिका प्रशासन लक्ष देणार काय ?

कित्येक दिवसांपासून या कॅरीचे संगोपन न केल्याने झाडे, गवत तसेच दर्शनीय भाग विस्कळीत झाला आहे. एकीकडे शासनाने लाखो रुपये खर्च करून शहराच्या सुंदरतेत भर पडावी नागरिकांना सुखद वातावरणात प्रवास करता यावा, या उद्देशाने शहरात जागोजागी

आहेत. तसेच येथील झाडांच्या कुंड्या बऱ्याच दिवसांपासून बेपर्वा झाल्या आहेत. **ध्वजारोहण खांबाला चढला गंज** भंडारा नगर परिषदेच्या दर्शनी भागातच राष्ट्रपिता महात्मा गांधी यांच्या प्रतिमेला लागूनच ध्वजारोहणाचा खांब आहे. या खांबाला जागोजागी गंज चढला आहे.

७५ लाख रुपयांचे घनकचरा संकलन केंद्र उद्घाटनाच्या प्रतीक्षेत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

जवाहरनगर : ठाणा ग्रामपंचायत येथील ७५ लाख रुपये किमतीचा महत्त्वाकांक्षी प्रकल्प, नागरी सुविधांतर्गत घनकचरा संकलन केंद्र उभारणीसाठी हाती घेण्यात आला. त्यानुसार घनकचरा संकलन केंद्र उभारण्यात आले. एक वर्षाचा काळ लोटूनसुद्धा ठाणा ग्रामपंचायतला मुहूर्त सापडना, परिणामी भंगार बनत असलेल्या संकलन केंद्र उद्घाटनाच्या प्रतीक्षेत आहे.



गावातील घनकचरा इतरत्र टाकून न देता, एकाच ठिकाणी संकलित करून त्यापासून शेती व इतर कामाकरिता उपयोगी येणारा खतनिर्मिती करण्यासाठी सन २०२१-२२ या ठाणा येथे उभारलेले हेच ते घनकचरा संकलन केंद्र. आर्थिक वर्षात नियोजन करण्यात आले. नागरी सुविधा अंतर्गत ७५ लाख रुपये किमतीचे महत्त्वाकांक्षी घनकचरा संकलन केंद्र ठाणा स्मशानभूमी परिसरात उभारण्याला मंजुरी ग्रामपंचायत प्रशासकातर्फे प्रदान करण्यात आली.

गावातील घनकचरा इतरत्र टाकून न देता, एकाच ठिकाणी संकलित करून त्यापासून शेती व इतर कामाकरिता उपयोगी येणारा खतनिर्मिती करण्यासाठी सन २०२१-२२ या ठाणा येथे उभारलेले हेच ते घनकचरा संकलन केंद्र. आर्थिक वर्षात नियोजन करण्यात आले. नागरी सुविधा अंतर्गत ७५ लाख रुपये किमतीचे महत्त्वाकांक्षी घनकचरा संकलन केंद्र ठाणा स्मशानभूमी परिसरात उभारण्याला मंजुरी ग्रामपंचायत प्रशासकातर्फे प्रदान करण्यात आली.

आणि ८ लाख रुपये किमतीच्या, गावातील नागरिकांच्या घरातील सोच टॅकमधील मल काढण्यासाठी, गटार स्वच्छ करणारी मशीन खरेदी करण्यात आली. आणि एका ठिकाणावरून दुसऱ्या ठिकाणापर्यंत घनकचरा वहन करण्यासाठी १० लाखांचा ट्रॅलीसह ट्रॅक्टर खरेदी करण्यात आला. सदर केंद्र आर्थिक वर्ष २०२४-२५ मध्ये पूर्णत्वास आले. मात्र मागील पावसाळ्यात बाहेरील मशीनी पाण्याखाली सापडली. मनुष्यबळ, तांत्रिक सहकार्य आणि आर्थिक बाब, अद्याप जिल्हा परिषद प्रशासनाकडून प्राप्त झाले नाही. आतापर्यंत केंद्र सुरू झालेले नाही. घनकचरा संकलन केंद्र चालवण्यासाठी जिल्हा परिषदेने आम्हाला दोन ते सहा महिन्यापर्यंत प्रक्रिया पूर्ण राबवित, चालवून दाखवावे. त्यामुळे स्थानिक कामगाराना प्रशिक्षण देणे आम्हाला सोयीस्कर होईल. याकरिता जिल्हा परिषद प्रशासनाने सहकार्य करण्याची नितांत गरज आहे.

- पुरुषोत्तम कांबळे, सरपंच, ग्रामपंचायत ठाणा

अवकाली आणि पूरग्रस्तांच्या मदतीकडे सरकारचे दुर्लक्षच

हिवाळी अधिवेशनात कुणालाच राहिली नाही दुष्काळग्रस्तांची आठवण

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

चुल्हाड (सिहोरा) : नव्या सरकारचे नागपूर येथील हिवाळी अधिवेशन केव्हाचेच संपले, आमदारही गावाकडे परतले. मात्र, शेतकऱ्यांच्या पदरात अवकाली आणि पूरग्रस्त नुकसान भरपाई पडलीच नाही. कुणीही या मुद्द्यावर बोलले नाही.



शेतकऱ्यांचे नावे सुटल्याने तलाद्यांनी दुसऱ्या यादीत अशा शेतकऱ्यांचे नावे समाविष्ट केली. या यादीतील शेतकऱ्यांनी केवायसी केली. परंतु, मदत जमा करण्यात आली नाही. अनेक शेतकरी आजही वंचित आहेत. त्यांना तत्काळ आर्थिक मदत देण्याची मागणी शेतकऱ्यांनी केली आहे.

परिणामतः शेतकऱ्यांच्या समस्यांकडे सर्वांचेच दुर्लक्ष राहिले. पूरग्रस्तांच्या याद्या शासन दरबारात पडून असल्या तरी निधी उपलब्ध नसल्याची माहिती समोर आली आहे. खरीप हंगामात पुराने नुकसान झालेले शेतकरी रब्बीच्या हंगामात अडचणीचा सामना करीत आहेत. शासनाने तत्काळ नुकसानभरपाई देण्याची मागणी सिहोरा परिसरातील शेतकऱ्यांनी केली आहे. खरीप हंगामात एक नव्हे तब्बल तीनदा धान पिकांचे

केवायसीनंतर शासन स्तरावरून देण्यात येणाऱ्या आर्थिक मदतीचा आकडा शेतकऱ्यांना कळला, परंतु, मदत मिळाली नाही. **अवकाळीच्या दुसऱ्या यादीची प्रतीक्षाच** अवकाळी पावसाने नुकसान झालेल्या रब्बीतील शेतकऱ्यांना विधानसभा निवडणुकीच्या काळात पहिल्या यादीतील शेतकऱ्यांना नुकसान भरपाई म्हणून सानुग्रह आर्थिक मदत देण्यात आली. याच कालावधीत अनेक नुकसानग्रस्त

मालगाव - मोरगाव येथील सिमेंटचे काम निकृष्ट दर्जाचे

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

मोहाडी : मग्राहोहयो अंतर्गत महालगाव, मोरगाव येथे सुरू असलेले बांधकाम उत्कृष्ट दर्जाचे असून ते काम थांबवण्यात यावे. तसेच त्या कामाची चौकशी करण्यात यावी असे निवेदन माजी सरपंच तुलाराम हारगुडे व गावकऱ्यांच्या स्वाक्षऱ्या घेऊन गटविकास अधिकारी यांच्याकडे सादर केले आहे.



दजाचे होत आहे. बांधकाम करताना गावातील मजुरांची आवश्यकता राहते. गावातीलच मजुरांना काम दिले पाहिजे असे असताना तिन्ही कामाकरिता बाहेर गावातील मजूर आणण्यात आले. मजुरांकडून काम न करता मशीनच्या साहाय्याने बांधकाम

आले आहे. काही बांधकाम अर्धवट आहेत. हे सर्व बांधकाम एक आठवड्यापूर्वी करण्यात आले. काही बांधकाम सुरू आहेत. झालेल्या कामाचे मस्टर काढण्यात आलेले नाही. तसेच मजुरांचे पेमेंट करण्यात आले नाही. रोहयोचे मालगाव मोरगाव याच रस्त्याचे बांधकाम निकृष्ट

केले. केलेल्या कामाच्या दर्जा अतिशय खालावलेला आहे. तीनही काम निकृष्ट दर्जाचे करण्यात आले आहेत. तसेच बांधकाम ग्रामपंचायत एजन्सी एजन्सीच्या नावाखाली काही ग्रामपंचायत सदस्य बांधकाम करीत आहेत. **दोषी अधिकारी व कर्मचाऱ्यावर कारवाई करा** बांधकाम निकृष्ट दर्जाच्या असतानाही संबंधित कर्मचारी व अधिकारी या कामाकडे दुर्लक्ष करीत आहेत. निकृष्ट दर्जाचे होत असलेले बांधकाम त्वरित थांबवण्यात यावे. दोषी अधिकारी व कर्मचाऱ्यांवर कारवाई करावी. तक्रारीची दखल न घेतल्यास आंदोलनाचा इशारा माजी सरपंच तुलाराम हारगुडे यांनी दिला आहे.

एकीकडे ढगाळ वातावरण, तर दुसरीकडे धुक्याची चादर !

रब्बी पिकांवर संकट शेतकरी हतबल

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

किटाडी : जिल्ह्यात मागील तीन चार दिवसांपासून ढगाळ वातावरण असल्याने, या वातावरणाचा फटका गहू, हरभरा, तूर यांसह विविध कडधान्य पिके व भाजीपाला पिकांना बसण्याची दाट शक्यता व्यक्त होत आहे. डिसेंबर महिन्याच्या अखेरीस निसर्गाची वेगवेगळी रूपे अनुभवायला येत आहेत. ढगाळ वातावरण त्यातच शनिवारी पहटोपासून ते सकाळी आठ वाजेपर्यंत धुक्याचे जाळे विणले होते. रविवारीही अशीच स्थिती होती. हे वातावरण रब्बी पिकांसाठी बाधक असून, रोग व किडांना आमंत्रण देणारे ठरत आहे. यामुळे शेतकऱ्यांची चिंता वाढली आहे. या नव्या संकटापुढे शेतकरी हतबल झाला आहे. ढगाळ वातावरणामुळे रब्बीतील विविध पिकांवर रोगराईचे संकट पसरले आहे.



त्यामुळे औषधी फवारणीचा खर्च वाढणार आहे. त्यासोबतच पुन्हा अवकाळीची

संक्रात मानगुटीवर बसते की काय, याचा धसका जिल्ह्यातील शेतकऱ्यांनी घेतला आहे. रब्बी हंगामात शेतकऱ्यांनी गहू व हरभरा पिकांच्या लागवडीला प्राधान्य दिले. मात्र, आता डिसेंबर महिना संपत असतानाच अवकाळीची चाहल लागल्याने व वातावरणात वेळोवेळी बदल होत असल्याने पिकांवर रोगराईचे प्रमाण वाढले आहे. ढगाळ वातावरण, धुक्याचे जाळे यामुळे शेतकऱ्यांच्या अडचणीत आणखी भरच पडली आहे. **ऐन हिवाळ्यात थंडी गायब** आठ-दहा दिवसांपूर्वी ग्रामीण भागात ठिकठिकाणी शेकोट्या पेटवून गावागावात ऊबदार गण्यांचे फड रंगत होते. पण, अचानक वातावरणाने कुस

बदलली. आकाशात ढगांची दाटी झाली आणि जुलाबी थंडी गायब झाली. दिवसा गरमी, रात्रीला पंखा, कधी संध्याकाळी थंडी असे वातावरण राहिले आहे. ऋतूत बदल जाणवत असल्याने थंडीतही गरमीचा परिणाम जाणू लागला आहे. हव्याहव्याशा वाटणा-या थंडीने अचानकपणे दडी मारली आहे. **सकाळी धुक्याने केली सूर्योदयावर मात** काही दिवसांपासून वातावरणातील बदलाचा अनुभव नागरिकांना येत आहे. प्रभात सूर्यदर्शन हे सर्वपरिचित असले तरी, निसर्गातील बदलामुळे चक्क धुक्याने सूर्योदयावर मात केली आणि उशिरा सूर्योदय झाल्याचा अनुभव शनिवारी नागरिकांनी पहिल्यांदाच घेतला.

बाघ के शावक की संदिग्ध मौत

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : एक ओर जिले के जंगलों में बाघों की संख्या निरंतर बढ़ते जा रही हैं। वहीं दूसरी ओर बाघों की मौत की खबरें भी आ रही हैं। 30 दिसंबर को पुनः एक शावक की मौत हो गई है। यह घटना भंडारा वनमंडल अंतर्गत लेंडेजरी वन क्षेत्र के देवनारा कक्ष क्रमांक 62 में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही वन अधिकारी दलबल के साथ पहुंच गए। इस बाघ की मौत जहर के कारण होने का प्राथमिक अंदाजा लगाया जा रहा है।

भंडारा वनमंडल अंतर्गत लेंडेजरी वन क्षेत्र के देवनारा कक्ष क्रमांक 62 में एक शावक मृतावस्था में पाया गया। इसकी जानकारी मिलते ही वन अमला तुरंत मौके पर पहुंचा। इसके बाद राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार कार्रवाई की



गई। नाकाडोंगरी के पशुधन विकास अधिकारी डॉ. बारापात्रे, हरदौली के पशुधन विकास अधिकारी डॉ. शुभम थोरात, पशुधन विकास अधिकारी (विस्तार) डॉ. सूरज पाटिल, नवेगांव नागझिरा परियोजना पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. मेघराज तुलावी की एक समिति गठित की गई।

इस अवसर पर राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए), एनजीओ (सीट) के प्रतिनिधि के रूप में शाहिद खान एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) महाराष्ट्र राज्य नागपुर के प्रतिनिधि के रूप में जिले के मानद वन्यजीव

वार्डन पंकज देशमुख उपस्थित थे। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुसार मृत शावक का चिचोली डिपो में पोस्टमार्टम किया गया और बाद में उनके

शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। शावक लगभग 14 से 16 माह का नर था। मृत शावक के सभी अंग सुरक्षित पाए गए। मृत शावक के अंग के नमूने परीक्षण के लिए ले लिए गए। मामले में वन अपराध दर्ज किया गया है।

आगे की जांच भंडारा के उपवन संरक्षक राहुल गवई के मार्गदर्शन में प्रकाष्ठ निष्कासन अधिकारी रितेश भोंगाडे और लेंडेजरी के वनपरिक्षेत्र अधिकारी वैद्य कर रहे हैं।

जंगल में ही बाघ सुरक्षित नहीं
बाघ के शावक की मौत पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जैसा कि कहा जा रहा है कि जहर खाने से मौत होने का प्राथमिक अंदाज है। यह जहर जंगल में कहाँ से आया? जंगल में ही अगर बाघ सुरक्षित नहीं है तो उसकी सुरक्षा कहाँ होगी? जंगल में इसके पूर्व भी कई हादसे हुए हैं। इसमें वन विभाग को नुकसान हुआ है। कई वन्यजीवों की जाने चली गई हैं। लेकिन अब तक किसी भी वन अधिकारी पर कार्रवाई नहीं हुई है। अगर किसी अधिकारी के क्षेत्र में बाघ की मौत हो रही है तो उस अधिकारी की कोई जिम्मेदारी नहीं है?

जिले में अपराध हुए कम : एसपी

आवाज भंडारा / प्रतिनिधी

भंडारा : जिला पुलिस अधीक्षक नूरुल हसन ने दावा किया है कि पिछले साल की तुलना में इस साल अपराधों में कमी आई है। इसके विपरीत पुलिस ने अधिक सक्रियता दिखाते हुए कई मामले दर्ज किए हैं। उनके अनुसार वर्ष 2024 में सड़क दुर्घटनाओं में 146 लोगों की मौत हो गई। 2023 में 160 लोगों को अपनी जान गवानी पड़ी थी। पिछले वर्ष पुलिस विभाग ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 63 हजार वाहन चालकों पर कार्रवाई की थी। इस वर्ष यह आंकड़ा 81 हजार वाहन चालकों पर कार्रवाई करने का है। अवैध व्यवसायियों पर लगाम कसने में भी पुलिस ने इस बार तेजी दिखाई है।

वर्ष 2023 में शराबबंदी के 1,810 गुनाह दर्ज किए थे। इस बार 2,504 गुनाह दर्ज कर 2,406 आरोपियों को दबोचा

गया। इसमें 3,79 करोड़ का माल जब्त किया गया। वर्ष 2023 में नशीले पदार्थों का सेवन करने के 28 मामलों में कार्रवाई की गई। इस मर्तबा 48 कार्रवाईयों की गईं। एक वर्ष पहले 48 किलो की नशायुक्त सामग्री और इस वर्ष 213 किलो नशीली सामग्री जब्त की गई।

पिछले वर्ष तड़ुपारी की 54 और इस वर्ष 108 मामले दर्ज किए गए। खतरनाक अपराधों को अंजाम देने वाले 9 आरोपियों पर वर्ष 2023 में एमपीडीए कानून के तहत कार्रवाई की गई। इस बार एमपीडीए के तहत 23 लोगों पर कार्रवाई की गई।

अब पुलिस विभाग की ओर से स्थानीय अपराध शाखा में अधिकारी व कर्मचारियों की नियुक्ति को लेकर नए मापदंड तय किए जा रहे हैं। यह मापदंड काम दिखाओं, नियुक्ति पाओं की तर्ज पर रहेंगे।

HAPPY
NEW YEAR

आप सबको नये साल कि ढेर सारी शुभकामनाएँ

2025

नया साल आपके और आपके परिवार के लिए सुख समृद्धि लेकर आए मैं यही कामना करता हूँ

COLLECTOR डॉ.संजय कौलते

॥ नववर्ष ॥

2025

मंगलमय है

नववर्ष की पावन बेला में परिवर्तन के एक नए संकल्प, एक नयी चेतना के साथ आगे कदम बढ़ायें

नूरुल हुसन

आप सभी को नववर्ष

2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

विधायक नरेंद्र भोंडेकर

नव वर्ष
2025
की हार्दिक शुभकामनायें

नव वर्ष की पावन बेला में परिवर्तन के एक नए संकल्प, एक नयी चेतना के साथ आगे कदम बढ़ायें

CEO करण कुमार चौधण

आप सभी को नव वर्ष

2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

Dr. अतुल टेंभूर्णे

नया साल नया सवेरा

नववर्ष

की हार्दिक शुभकामनाएं

2025

यह वर्ष आप सभी के लिए खुशियाँ सुख शांति एवं समृद्धि लाया

SDM बालपांडे

आपणास नवीन वर्षाच्या हार्दिक शुभेच्छा...!
हे वर्ष आपणास आरोग्यदायी, भरभराटीचे व सुखसमृद्धीचे जावो...

2025

नववर्षाभिर्नन्दन

जंकी रावलानी

निराप 2024

नववर्षाच्या जल्लोषाने स्वागत करण्यापूर्वी गेले वर्षभरातील कटू-गोड अनुभव व आठवणींचा प्रवास हृदयात जपत सरत्या वर्षाला आनंदाने निरोप!

पवन मरुके

अध्यक्ष भंडारा जिल्हा काँग्रेस कमिटी
रोजगार व स्वयंसेवक विभाग

सभी जिलावासीयों को

2025

की हार्दिक शुभकामनाएं

नव वर्ष

शमशेर खान
संपादक
वी.एस.क्राईम डीडीया न्यूज

नौशिया खान
संपादक
आवाज भंडारा